NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिन्दी

Chapter : 5

Chapter Name : पर्वत प्रदेश में पावस

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q1. पावस ऋतु में प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन आते हैं? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer. वर्षा ऋतु में पर्वतीय प्रदेश में प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन आते हैं -

1. बादलों की आड़ में छिपे पर्वत मानों पंख लगाकर कहीं उड़ने चले गए हों तथा तालाबों में से उठता हुआ कोहरा धुएँ जैसा लगता है।

2. पर्वतों से बहते हुए झरने मोतियों की लड़ियों- से प्रतीत होते हैं।

3. पर्वत पर अनगिनत फूल खिल जाते हैं।

4. ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर एकटक देखते रहते हैं।

5. बादलों के छा जाने से पर्वत अदृश्य हो जाता है।

6. तालाबों से उठते हुए धुएँ को देखकर लगता है, मानो आग लग गई हो।

7. आकाश में तेजी से घूमते हुए बादल बड़े ही आकर्षक लगते हैं।

Page: 28 Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q2. 'मेखलाकार' शब्द का क्या अर्थ है? कवि ने इस शब्द का प्रयोग यहाँ क्यों किया है?

Answer. 'मेखलाकार' शब्द का अर्थ है - करधनी के आकार के समान। मेखला कटि भाग में पहनी जाती है। पर्वत भी मेखलाकार की तरह गोल लग रहे थे जैसे उसने पूरी पृथ्वी को अपने घेरे में ले लिया हो । कवि ने इस शब्द का प्रयोग पर्वत की विशालता दिखाने और प्रकृति के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए किया है।

Page: 28 Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q3. 'सहस्र दृग-सुमन' से क्या तात्पर्य है? कवि ने इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा?

aglasem.com

Answer. 'सहस्र दृग-सुमन' का अर्थ है - हजारों पुष्प रूपी आँखें। कवि ने इस पद का प्रयोग सजीव चित्रण करने के लिए किया है। कवि ने इसका प्रयोग पर्वत पर खिले फूलों के लिए किया है। वर्षा ऋतु में पर्वत पर अनगिनत फूल खिल जाते हैं।। कवि ने इन पुष्पों में पर्वत की आँखों की कल्पना की है। ऐसा लगता है मानों पर्वत अपने नेत्रों से प्रकृति की महिमा को निहार रहा है।

Page: 28 Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q4. कवि ने तालाब की समानता किसके साथ दिखाई है और क्यों?

Answer. कवि ने तालाब की तुलना दर्पण से की है क्योंकि तालाब का जल अत्यंत स्वच्छ है। वह प्रतिबिंब दिखाने में सक्षम है। दोनों ही पारदर्शी होते हैं और दोनों में व्यक्ति अपना प्रतिबिंब देख सकता है। तालाब के जल में पर्वत और उस पर लगे हुए फूलों का प्रतिबिंब स्वच्छ दिखाई दे रहा था। काव्य सौंदर्य को बढ़ाने के लिए कवि ने ऐसा रूपक बाँधा है।

Page: 28 Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q5. पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर क्यों देख रहे थे और वे किस बात को प्रतिबिंबित करते हैं?

Answer. पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर अपनी आकांक्षाओं के कारण देख रहे थे।वे आसमान जितना ऊँचा उठना चाह रहे हैं। वे मौन रहकर भी संदेश देते हैं कि बिना किसी संदेह के मौन रहकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। आकांक्षाओं को पाने के लिए शांत मन तथा चित्त की एकाग्रता आवश्यक है।

Page: 28 Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q6. शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती में क्यों धँस गए?

Answer. कवि के अनुसार वर्षा इतनी तेज़और मूसलाधार थी कि ऐसा लगता था मानो आकाश धरती पर टूट पड़ा हो। चारों ओर कोहरा छा जाता है, पर्वत, झरने आदि सब अदृश्य हो जाते हैं। ऐसा लगता है मानो तालाब में आग लग गई हो। चारों तरफ धुआँ-सा उठता प्रतीत होता है। वर्षा के ऐसे भयंकर रूप को देखकर उच्च-आकांक्षाओं से युक्त विशाल शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती में धंसे हुए प्रतीत होते हैं।

Page: 28 Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q7. झरने किसके गौरव का गान कर रहे हैं? बहते हुए झरने की तुलना किससे की गई है?

Answer. झरने पर्वतों की उच्चता और महानता के गौरव का गान कर रहे हैं। कवि ने बहते हुए झरनों की तुलना मोतियों की लड़ियों से की है।

Page: 28 Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

(ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q1. है टूट पड़ा भू पर अंबर

Answer. वर्षा इतनी तेज़ और मूसलाधार है कि ऐसा लगता है मानो आकाश धरती पर टूट पड़ा हो। बादलों ने सारे पर्वत को ढँक लिया है। पर्वत अब बिल्कुल दिखाई नहीं दे रहे। पृथ्वी और आकाश एक हो गए हैं, अब बस झरने का शोर ही शेष रह गया है।

Page: 28 Block Name : निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q2. यों जलद-यान में विचर-विचर

था इंद्र खेलता इंद्रजाल।

Answer. इसका भाव है कि पर्वतीय प्रदेश में वर्षा के समय में क्षण-क्षण होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों तथा अलौकिक दृश्य को देखकर ऐसा प्रतीत होता है, मानो वर्षा के देवता इंद्र बादल रूपी यान पर बैठकर जादू का खेल दिखा रहे हों। आकाश में उमड़ते-घुमड़ते बादलों को देखकर ऐसा लगता था जैसे बड़े-बड़े पहाड़ अपने पंखों को फड़फड़ाते हुए उड़ रहे हों। बादलों का उड़ना, चारों ओर धुआँ होना और मूसलधार वर्षा का होना, ये सब जादू के खेल के समान दिखाई देते हैं।

Page: 28 Block Name : निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q3. गिरिवर के उर से उठ-उठ कर

उच्चाकांक्षाओं से तरुवर

हैं झाँक रहे नीरव नभ पर

अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर।

Answer. इसका भाव है कि वृक्ष भी पर्वत के हृदय से उठ-उठकर ऊँची आकांक्षाओं के समान शांत आकाश की ओर देख रहे हैं। वे आकाश की ओर स्थिर दृष्टि से देखते हुए यह प्रतिबिंबित करते हैं कि वे आकाश की ऊँचाइयों को छूना चाहते हैं। इसमें उनकी मानवीय भावनाओं को स्पष्ट किया गया है कि उद्धेश्य को पाने के लिए अपनी दृष्टि स्थिर करनी चाहिए और बिना किसी संदेह के चुपचाप मौन रहकर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आकांक्षाओं को पाने के लिए शांत मन तथा एकाग्रता आवश्यक है। वे कुछ चिंतित भी दिखाई पड़ते हैं|

Page: 28 Block Name : निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए।

aglasem.com

कविता का सौंदर्य

Q1. इस कविता में मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किस प्रकार किया गया है? स्पष्ट कीजिए।

Answer. इस कविता में पर्वतों का आँखें फाड़कर देखना, झरनों का गाना गाना, पेड़ों का चिंतातुर होना, शाल के पेड़ों का डर जाना ये सब मानवीय क्रियाएँ हैं। यहाँ प्रकृति में मानवीय गुणों का आरोप है। अतः यहाँ मानवीकरण अलंकार है।

Page: 29 Block Name: कविता का सौंदर्य

Q2. आपकी दृष्टि में इस कविता का सौंदर्य इनमें से किस पर निर्भर करता है -

(क) अनेक शब्दों की आवृत्ति पर।

(ख) शब्दों की चित्रमयी भाषा पर।

(ग) कविता की संगीतात्मकता पर।

Answer. (ग) कविता की संगीतात्मकता पर।

Page: 29 Block Name: कविता का सौंदर्य

Q3. कवि ने चित्रात्मक शैली का प्रयोग करते हुए पावस ऋतु का सजीव चित्र अंकित किया है। ऐसे स्थलों को छाँटकर लिखिए।

Answer. अपने सहस्र दृग—सुमन फाड़,

अवलोक रहा है बार—बार

उड़ गया, अचानक लो, भूधर

फड़का अपार पारद के पर!

Page: 29 Block Name: कविता का सौंदर्य

योग्यता विस्तार

aglasem.com

Q. 1. इस कविता में वर्षा ऋतु में होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों की बात कही गई है | आप अपने यहाँ वर्षा ऋतु में होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 29 Block Name: योग्यता विस्तार

परियोजना कार्य

Q. 1. वर्षा ऋतु पर लिखी गई अन्य कवियों की कविताओं का संग्रह कीजिए और कक्षा में सुनाइए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 29, Block Name: परियोजना कार्य

Q. 2. बारिश, झरने, इंद्रधनुष, बादल, कोयल, पानी, पक्षी, सूरज, हरियाली, फूल, फल आदि या कोई भी प्रकृति विषयक शब्द का प्रयोग करते हुए एक कविता लिखने का प्रयास कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 29 Block Name: परियोजना कार्य

aglasem.com